भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर(2021-22)

कक्षा-दसवीं	विषय : हिंदी (द्वितीय भाषा)	Date – 21-05-2021
कार्य-पत्रिका संख्या: 4– उत्तर	विषय: व्याकरण (समास)– उत्तर	Note: Pl. file in portfolio

नाम: _____अनुभाग: _____अनुक्रमांक: _____दिनांक: _____

प्रश्न -१ - विग्रह करके समास का नाम लिखिए :-

1. चंद्रमौलि - चंद्र है मौलि पर जिसके (शिव) - बहुव्रीहि समास
2. भीमार्जुन - भीम और अर्जुन - द्वंद्व समास
3. विद्याधन - विद्या रूपी धन - कर्मधारय समास
4. भरपेट - पेट भर कर - अव्ययीभाव समास
5. कांतिहीन - कांति से हीन - अपादान तत्पुरुष समास
6. दुरुपयोग - दुर् (बुरा) है जो उपयोग - कर्मधारय समास
7. चौमासा - चार मासों का समाहार - द्विगु समास
8. आमरण - मरण पर्यंत - अव्ययीभाव समास
9. हथकड़ी - हाथों के लिए कड़ी - संप्रदान तत्पुरुष
10. अधपका - आधा है जो पका - कर्मधारय समास
11. धनुर्बाण - धनुष और बाण - द्वंद्व समास
12. मृगेंद्र - मृगों का राजा है जो अर्थात् सिंह - बहुव्रीहि समास
13. यथाविधि - विधि के अनुसार - अव्ययीभाव समास
14. त्रिलोक - तीन लोकों का समाहार - द्विगु समास
15. रातोंरात – रात ही रात में – अव्ययीभाव समास
16. दो-चार – दो या चार – द्वंद्व समास
17. पंचतत्त्व – पाँच तत्त्वों का समाहार – द्विगु समास
18. कमलनयन – कमल के समान नयन – कर्मधारय समास
19. रसोईघर – रसोई के लिए घर – संप्रदान तत्पुरुष
20. वीणापाणि – वीणा है पाणि (हाथ) में जिसके अर्थात् देवी सरस्वती – बहुव्रीहि समास

21. ग्रंथरत्न – ग्रन्थ रूपी रत्न – कर्मधारय समास
22. आशुतोष – आशु (शीघ्र) संतुष्ट हो जाता है जो अर्थात् शिवजी – बहुव्रीहि समास
23. सूक्ष्माणु – सूक्ष्म है जो अणु – कर्मधारय समास
24. गृहप्रवेश – गृह में प्रवेश – अधिकरण तत्पुरुष
25. अठन्नी – आठ आनों का समाहार – द्विगु समास
26. यथाशक्ति – शक्ति के अनुसार – अव्ययीभाव समास
27. हाथ-पाँव – हाथ और पाँव – द्वंद्व समास
28. सुलोचना – सुंदर हैं लोचन जिसके (स्त्री विशेष) बहुव्रीहि समास
29. मुँहमाँगा – मुँह से माँगा – अपादान तत्पुरुष समास
30. गुल्ली-डंडा – गुल्ली और डंडा – द्वंद्व समास
31. हँसमुख – हँसता हुआ है जो मुख – कर्मधारय समास
32. दोराहा – दो राहों का समूह – द्विगु समास
33. पद्मासना – पद्म (कमल) आसन है जिसका अर्थात् देवी सरस्वती – बहुव्रीहि समास
34. यथाकाल – काल के अनुसार – अव्ययीभाव समास
35. वृकोदर – वृक के समान उदर है जिसका अर्थात् भीम – बहुव्रीहि समास
36. जपमाला – जप के लिए माला – संप्रदान तत्पुरुष समास

प्रश्न – २ – समस्त-पद बनाकर समास का नाम लिखिए :-

1. देव और असुर – देवासुर – द्वंद्व समास
2. लोक की कथा – लोककथा – संबंध तत्पुरुष
3. तीन देवों का समूह – त्रिदेव – द्विगु समास
4. गिरि को धारण करने वाला – गिरिधर – बहुव्रीहि समास
5. लगाम के बिना – बेलगाम – अव्ययीभाव समास
6. वचन रूपी अमृत – वचनामृत – कर्मधारय समास
7. धर्म और अधर्म – धर्माधर्म – द्वंद्व समास
8. तीन हैं लोचन जिनके – त्रिलोचन – बहुव्रीहि समास
9. विदेश को गया – विदेशगत – कर्म तत्पुरुष समास

10. मति के अनुसार – यथामति – अव्ययीभाव समास

11. नौ रत्नों का समाहार – नवरत्न – द्विगु समास

12. परम है जो आनंद – परमानंद – कर्मधारय समास

13. हर एक द्वार – द्वार-द्वार – अव्ययीभाव समास

14. सूर द्वारा रचित – सूररचित – करण तत्पुरुष

15. हवन के लिए सामग्री – हवनसामग्री – संप्रदान तत्पुरुष

16. कर रूपी कमल – करकमल – कर्मधारय समास

17. पर के अधीन – पराधीन – संबंध तत्पुरुष

18. चार भुजाओं का समूह – चतुर्भुज – द्विगु समास

19. भला या बुरा – भला-बुरा – द्वंद्व समास

20. दूसरों का उपकार – परोपकार – संबंध तत्पुरुष

21. नीला है जो नभ – नीलनभ – कर्मधारय समास

22. सौ वर्षों का समाहार – शताब्दी – द्विगु समास

23. वज्र के समान देह – वज्रदेह – कर्मधारय समास

24. चिंता में मग्न – चिंतामग्न – अधिकरण तत्पुरुष समास

25. नाम के अनुसार – यथानाम – अव्ययीभाव समास

26. जय और पराजय – जय-पराजय – द्वंद्व समास

****